पुनर्वास विवि में इंजीनियरिंग और फार्मेसी संकाय बनेंगे

लखनऊ, संवाददाता। शुकंतला मिश्रा विश्वविद्यालय में इंजीनियरिंग और फार्मेसी संकाय की स्थापना होगी। साथ ही हर शैक्षणिक सत्र में विद्यार्थियों की प्रवेश प्रक्रिया के लिए प्रवेश सेल को स्थापित किया जाएगा। इसके अलावा राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के तहत स्नातक स्तर पर अंडरग्रेजुएट प्रोग्राम रेगुलेशन-2024 और परास्नातक स्तर पर पोस्टग्रेजुएट प्रोग्राम रेगुलेशन-2024 को अनुमोदन प्रदान किया गया। यह निर्णय कुलपति की अध्यक्षता में शनिवार को 34वीं विद्या परिषद की बैठक में लिया गया।

कुलपति आचार्य संजय सिंह का कहना है कि विद्या परिषद की बैठक में कई अहम निर्णय लिए गए हैं। कहा कि विश्वविद्यालय का लोगो डिजाइन कराने के लिए अन्तर विश्वविद्यालयी प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। जिसका डिजाइन चयनित होगा, उसको पुरस्कृत किया जाएगा। कुलपति के मुताबिक, विवि में स्नातक, परास्नातक उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन, पीएचडी शोध मूल्यांकन और मौखिकी संपादन के लिए पूर्व निर्धारित पारिश्रमिक को अवक्रमिक करते हुए नये सिरे से पारिश्रमिक निर्धारिण के लिए प्रो. सीके दीक्षित की अध्यक्षता में समिति बनाने का निर्णय लिया गया।

इन प्रस्तावों पर मुहर

- स्नातक स्तर पर संचालित मल्टीडिसेप्लेनरी पाठ्यक्रम में दिव्यांगता अध्ययन को शामिल किया गया।
- पहले 6.5 सीजीपीए रेंज पर प्रथम श्रेणी उपाधि दी जाती थी। 6.0 सीजीपीए रेंज पर प्रथम श्रेणी उपाधि दी जाएगी।
- राष्ट्रीय संगोष्ठी या सम्मेलन को 50 हजार अग्रिम धनराशि और अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी या सम्मेलन के लिए दो लाख रुपए अग्रिम धनराशि लोन दी जाएगी।
- विद्या परिषद की बैठक में 16 से 21 दिसंबर तक 25 अंकों की मध्य सत्र परीक्षा का फैसला हुआ। 15 अंकों की परीक्षा, 10 अंक का अभिविन्यास और प्रस्तुतिकरण होगा। सात से 20 जनवरी 2025 के बीच स्नातक और परास्नातक की अधिसत्र परीक्षाएं होंगी।

शकुंतला विवि : बैठक में छात्रों के हित में लिये गये महत्वपूर्ण निर्णय

लखनऊ (एसएनबी)। डा. शकुन्तला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विवि के कुलपति आचार्य संजय सिंह की अध्यक्षता में शनिवार को विद्या परिषद की 3 4 वीं बैठक हुई। बैठक में छात्रों व विवि के हितो से जुड़े 11 प्रमुख मुद्दों पर निर्णय लिया गया।

बैठक में विवि के भेषज विज्ञान संकाय, (फैकेल्टी आफ फर्मास्यूटिकल साइंसेज) एवं अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संकाय (फैकल्टी आफ इंजीनियरिंग एण्ड टेकनोलाजी) की स्थापना का निर्णय लिया गया। संस्थान (प्रिएम्बल) तैयार करने को कहा गया। साथ ही विवि के लोगो का डिजाइन कराने के लिए अन्तर विश्व विद्यालयी प्रतियोगिता आयोजित करने जिसमें डिजाइन किया गया लोगो चुना जाएगा उसको सम्मानित किये जाने का भी निर्णय लिया गया। विवि के समय समय पर आयोजित होने वाली राष्ट्रीय संगोष्ठी सम्मेलन के आयोजन के लिए 50 हजार अग्रिम धनराशि एवं अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन के लिए अग्रिम दो लाख की धनराशि लोन के रूप में उपलब्ध कराने समेत 11 विभिन्न छात्रों व विवि के हितों के मुद्दों पर निर्णय लिये गये। बैठक में अधिष्ठाता शैक्षणिकी प्रो. वीके सिंह, कुलसचिव रोहित सिंह, वित्त अधिकारी श्री निवास त्रिपाठी, परीक्षा नियंत्रक डा, अमित कुमार राय, मीडिया प्रभारी प्रो. यशवंत वीरोदय समेत सभी विभागो के अध्यक्ष मौजूद थे।

6.0 सीजीपीए पर मिलेगी प्रथम श्रेणी की डिग्री

डा. शकुंतला मिश्रा विश्वविद्यालय की एकेडमिक काउंसिल की बैठक में लिया गया निर्णय

जागरण संवाददाता • लखनऊ : डा. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय एवं उससे जुड़े महाविद्यालयों में पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं के लिए अच्छी खबर है। अब उन्हें 6.0 कम्युलेटिव ग्रेड प्वाइंट एवरेज (सीजीपीए) लाने पर ही प्रथम श्रेणी की डिग्री मिल सकेगी। अभी तक यह अर्हता 6.5 सीजीपीए रखी गई थी। शुक्रवार को कुलपति आचार्य प्रोफेसर संजय सिंह की अध्यक्षता में हुई 34वीं एकेडमिक काउंसिल की बैठक में यह निर्णय लिया गया।

बैठक में अधिष्ठाता शैक्षिणिक प्रो. वीके सिह, कुलसचिव रोहित सिंह, वित्त अधिकारी श्रीनिवास त्रिपाठी, परीक्षा नियंत्रक डा. अमित कुमार राय व सभी संकाय एवं विभागाध्यक्ष उपस्थित रहे। प्रवक्ता प्रो. यशवंत वीरोदय ने बताया कि दूसरे विश्वविद्यालयों में प्रथम श्रेणी के लिए छह सीजीपीए ही है। इसी तर्ज पर डा. शकुंतला मिश्रा विश्वविद्यालय ने भी प्रथम श्रेणी के लिए 6.0 सीजीपीए तय किया है।

संकाय के रूप में संचालित होंगे इंस्टीट्यूट : कैंपस में संचालित इंस्टीट्यूट अब संकाय के रूप में संचालित होंगे। इनमें इंस्टीट्यूट आफ फार्मास्यूटिकल साइंसेज और इंस्टीट्यूट आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलाजी शामिल हैं। प्रवक्ता ने बताया कि इंस्टीट्यूट के निर्माण के लिए प्रस्तावना (प्रिएम्बल) तैयार किया जाएगा।

विश्वविद्यालय का लोगो डिजाइन होगा : विश्वविद्यालय का 'लोगो' डिजाइन किया जाएगा। इसे तैयार कराने के लिए अंतर विश्वविद्यालयी प्रतियोगिता होगी। उसी में डिजाइन किया गया लोगो चुना जाएगा। विश्वविद्यालय उसे पुरस्कृत भी करेगा।

फिर से तय होगा कापियों के मूल्यांकन का पारिश्रमिक : स्नातक, परास्नातक उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन, पीएच.डी शोध मूल्यांकन एवं मौखिकी संपादन के लिए अब नए सिरे से पारिश्रमिक तय होगा। इसके लिए प्रो. सीके दीक्षित की अध्यक्षता में कमेटी बनाई जाएगी। यही समिति ब्रेल उत्तर पुस्तिकाओं मूल्यांकन के लिए ब्रेल वाचकों को सूचीबद्ध करते हुए उनके पारिश्रमिक का निर्धारण भी करेगी।

संगोष्ठी कराने के लिए मिलेगा लोन : राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं सम्मेलन के आयोजन के लिए विश्वविद्यालय 50 हजार रुपये और अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी-सम्मेलन के लिए दो लाख रुपये अग्रिम राशि लोन के रूप में उपलब्ध कराएगा। संगोष्ठी के बाद पंजीकरण शुल्क से इसे विश्वविद्यालय को मद में जमा कराया जाएगा।

अंतरराष्ट्रीय सेमिनार में जाने पर मिलेगी राशि : देश के किसी भी विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रतिभाग के लिए दो साल में एक बार 20 हजार रुपये की राशि दी जाएगी। वहीं, विदेशों में आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रतिभाग के लिए चार वर्ष में एक बार एक लाख रुपये मिलेंगे। साथ ही शोधार्थी को पूरे शोध के दौरान संगोष्ठी में प्रतिभाग किये जाने के लिए 20 हजार रुपये की राशि दी जाएगी।

डा. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य संजय सिंह की अध्यक्षता में विद्या परिषद की 34वीं बैठक हुई • जागरण

एकेडमिक काउंसिल की बैठक में ये भी हुए निर्णय

- विद्यार्थियों की प्रवेश प्रक्रिया कराने के लिए प्रवेश सेल की स्थापना
- एनइपी-2020 के अनुरूप यूजी व पीजी प्रोग्राम रेगूलेशन-2024 को अनुमोदन
- यूजी स्तर पर संचालित मल्टीडिसेप्लेनरी पाठ्यक्रम में दिव्यांगता अध्ययन शामिल
- 16 से 21 दिसंबर के बीच में मध्य सत्र परीक्षा कराना
- सात से 20 जनवरी 2025 के बीच यूजी, पीजी की अधिसत्र परीक्षा पूरी कराना

कालेजिएट प्रतियोगिता शुरू

जासं • लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय में शनिवार को दो दिवसीय इंटर कालेजिएट नेगोसिएशन प्रतियोगिता शुरू हुई। मुख्य अतिथि इलाहाबाद हाईकोर्ट लखनऊ बेंच के पूर्व न्यायाधीश अनिल कुमार व विशिष्ट अतिथि अवध बार एसोसिएशन के महासचिव मनोज कुमार द्विवेदी उपस्थित रहे। प्रतियोगिता में विभिन्न डिग्री कालेजों की 30 टीमों ने प्रतिभाग किया। पहले दिन प्रीलिम्स और क्वार्टर फाइनल आयोजित हुए। सेमीफाइनल और फाइनल प्रतियोगिता रविवार को होगी। कार्यक्रम में विधि संकाय के अध्यक्ष प्रो. डा. बीडी सिंह, प्रो. हरिश्चंद्र राम व डा. कौशलेंद्र सिंह उपस्थित रहे।

पुनर्वास विवि में 6 सीजीपीए पर मिलेगी प्रथम श्रेणी की उपाधि

कार्यपरिषद की बैठक में लगी मुहर, कई प्रस्तावों को मिली मंजूरी

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय में अब 6 सीजीपीए अंक लाने वाले विद्यार्थियों को प्रथम श्रेणी (फर्स्ट डिवीजन) की उपाधि में उत्तीर्ण माना जाएगा। अभी तक फर्स्ट डिवीजन के लिए 6.5 सीजीपीए अंक लाना अनिवार्य होता था। विवि में शनिवार को हुई कार्यपरिषद की बैठक में इसे मंजूरी दी गई। कई अन्य प्रस्तावों को भी स्वीकृति प्रदान की गई।

पुनर्वास विश्वविद्यालय में हुई कार्यपरिषद की बैठक में मौजूद कुलपति व अन्य। -स्रोत विवि

कुलपति प्रो. संजय सिंह की अध्यक्षता में हुई बैठक में भेषज विज्ञान संकाय एवं अभियांत्रिकी व प्रौद्योगिकी संकाय की स्थापना करने का निर्णय लिया गया। साथ ही विवि में होने वाले राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम में 50 हजार और अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम में 2 लाख रुपये का अग्रिम लोन उपलब्ध कराने का निर्णय किया गया।

विवि में स्नातक, परास्नातक कोर्स की उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन, पीएचडी शोध मूल्यांकन एवं मौखिक परीक्षा के पारिश्रमिक को नए सिरे निर्धारण के लिए प्रो. सीके दीक्षित की अध्यक्षता में समिति का गठन करने पर मुहर लगी। शिक्षकों एवं शोधार्थियों को राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर की कार्यशाला में प्रतिभाग करने के लिए अनुदान देने, प्रवेश सेल की स्थापना और प्रतियोगिता के माध्यम से विवि का लोगो डिजाइन करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई।

बैठक में 16 से 21 दिसम्बर 2024 के बीच में (निर्धारित 25 अंकों की) मध्य सत्र परीक्षा कराने, यूजी-पीजी के नवीन अध्यादेश 2024 को स्वीकृति देने और स्नातक स्तर पर संचालित मल्टीडिसेप्लेनरी कोर्स में दिव्यांगता अध्ययन (डिसेबिलिटी स्टडीज) को शामिल करने का निर्णय भी लिया गया।

बैठक में विश्वविद्यालय के रिसर्च एवं डेवलपमेंट सेल के लिए गुणवत्तापरक शोध के लिए रिसर्च प्रोजेक्ट व कंसन्टेंसी गाइडलाइन को अनुमोदन देने संबंधी प्रस्ताव पर भी मुहर लगाई गई। बैठक में डीन एकेडमिक्स प्रो. वीके सिंह, कुलसचिव रोहित सिंह, वित्त अधिकारी श्रीनिवास त्रिपाठी, परीक्षा नियंत्रक डॉ. अमित कुमार राय के साथ ही सभी संकायों के डीन व विभागाध्यक्ष उपस्थित रहे।

इंजीनियरिंग और फार्मास्यूटिकल की पढ़ाई कराएगा पुनर्वास विवि

विवि की 34वीं विद्या परिषद की बैठक में लिए गए 11 निर्णय

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय में इंजीनियरिंग और फार्मास्यूटिकल की पढ़ाई भी कराई जाएगी। विश्वविद्यालय की विद्या परिषद (एकेडमिक काउंसिल) की 34वीं बैठक में ये निर्णय किया गया है। नए पाठ्यक्रमों के संचालन, नई शिक्षा नीति के आधार पर स्नातक और परास्नातक पाठ्यक्रमों समेत 11 निर्णय लिए गए।

विश्वविद्यालय में फैकेल्टी आफॅ फ़ार्मास्यूटिकल सांइसेज व अभियांत्रिकी व प्रौद्योगिकी संकाय की स्थापना की जाएगी। विश्वविद्यालय का लोगो डिजाइन कराने के लिए अन्तर विश्वविद्यालयी प्रतियोगिता भी कराई जाएगी। राष्ट्रीय संगोष्ठी, सम्मेलन के आयोजन के लिए 50,000 रुपए अग्रिम धनराशि व अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी व सम्मेलन के आयोजन हेतु दो लाख रुपए अग्रिम धनराशि लोन के रूप में उपलब्ध कराई जाएगी। प्रत्येक शैक्षणिक सत्र में विद्यार्थियों की प्रवेश प्रक्रिया सम्पन्न कराई जाएगी। 16 से 21 दिसम्बर 2024 के बीच में (निर्धारित 25 अंकों की) मध्य सत्र परीक्षा भी होगी। नई शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप स्नातक स्तर पर अंडरग्रेजुएट प्रोग्राम रेगूलेशन-2024 व परास्नातक स्तर पर पोस्टग्रेजुएट प्रोग्राम रेगूलेशन-2024 को अनुमोदन प्रदान किया गया।

बैठक में अधिष्ठाता शैक्षिणिक प्रो. वीके सिह, कुलसचिव रोहित सिंह, वित्त अधिकारी श्रीनिवास त्रिपाठी, परीक्षा नियंत्रक डॉ. अमित कुमार राय के साथ ही समस्त संकायों के अधिष्ठाता, समस्त विभागों के अध्यक्ष उपस्थित रहे।

9 तक करें प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस के लिए आवेदन

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने नोटिस जारी कर कहा है कि प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस के लिए अभ्यर्थी 9 दिसंबर तक आवेदन कर सकते हैं। इसके लिए विवि ने ईमेल जारी करते हुए कहा कि इस ईमेल पर समस्त जानकारी भेजी जाएगी। विस्तृत जानकारी के लिए लखनऊ विश्वविद्यालय की वेबसाइट देखने को कहा गया है।

फर्स्ट डिवीजन की डिग्री अब 6.0 सीजीपीए पर

एसएमयू की एकेडमिक काउंसिल की बैठक में लिया गया निर्णय

LUCKNOW (23 NOV): डा. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय एवं उससे जुड़े महाविद्यालयों में पढ़ने वाले स्टूडेंट्स के लिए अच्छी खबर है. अब उन्हें 6.0 कम्युलेटिव ग्रेड प्वाइंट एवरेज (सीजीपीए) लाने पर ही प्रथम श्रेणी की डिग्री मिल सकेगी. अभी तक यह अर्हता 6.5 सीजीपीए रखी गई थी. शुक्रवार को वीसी आचार्य प्रोफेसर संजय सिंह की अध्यक्षता में हुई 34वीं एकेडमिक काउंसिल की बैठक में यह निर्णय लिया गया.

संकाय के रूप में इंस्टीट्यूट

कैंपस में संचालित इंस्टीट्यूट अब संकाय के रूप में संचालित होंगे. इनमें इंस्टीट्यूट आफ फार्मास्यूटिकल साइंसेज और इंस्टीट्यूट आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी शामिल हैं. प्रवक्ता ने बताया कि इंस्टीट्यूट के निर्माण के लिए प्रस्तावना तैयार की जाएगी.

दूसरी यूनिवर्सिटी की तरह प्रक्रिया होगी

बैठक में अधिष्ठाता शैक्षिणिक प्रो. वीके सिंह, कुलसचिव रोहित सिंह, वित्त अधिकारी श्रीनिवास त्रिपाठी, परीक्षा नियंत्रक डा. अमित कुमार राय व सभी संकाय एवं विभागाध्यक्ष उपस्थित रहे. प्रवक्ता प्रो. यशवंत वीरोदय ने बताया कि दूसरे विश्वविद्यालयों में प्रथम श्रेणी के लिए छह सीजीपीए ही है. इसी तर्ज पर डा. शकुंतला मिश्रा विश्वविद्यालय ने भी प्रथम श्रेणी के लिए 6.0 सीजीपीए तय किया है.

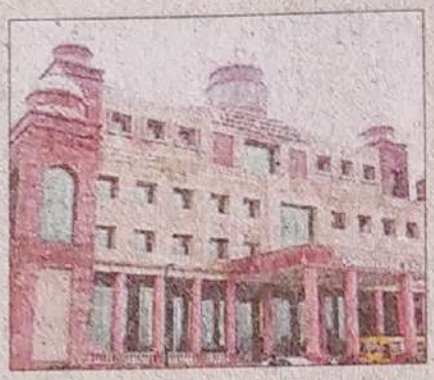

लोगो डिजाइन होगा

विश्वविद्यालय का लोगो डिजाइन किया जाएगा. इसे तैयार कराने के लिए अंतर विश्वविद्यालयी प्रतियोगिता होगी. उसी में डिजाइन किया गया लोगो चुना जाएगा. विश्वविद्यालय उसे पुरस्कृत भी करेगा.

उत्तर रेलवे

ई–ऑक्शन सूचना

वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबन्धक, उत्तर रेलवे, लखनऊ के द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई–ऑक्शन किया जाता है।

Admin Unit/Zone	Lucknow-NR-Division-Commercial/ Northern Railway
Auction catalogue no.	Catering-24-2
Description of Work	Allotment of Catering Stall at Various stations of Lucknow Division for a period of five (05) years.
Catalogue Published on	18.11.2024
Auction Start (All Lots)	03.12.2024 at 10:00 hrs.
Auction close Date/Time	03.12.2024 at 11:00 hrs.
Website particulars where complete details of auction can be seen by registered bidders	E-Auction Module of www.ireps.gov.in

पुनर्वास विवि में 6 सीजीपीए पर मिलेगी प्रथम श्रेणी की उपाधि

कार्यपरिषद की बैठक में लगी मुहर, कई प्रस्तावों को मिली मंजूरी

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय में अब 6 सीजीपीए अंक लाने वाले विद्यार्थियों को प्रथम श्रेणी (फर्स्ट डिवीजन) की उपाधि में उत्तीर्ण माना जाएगा। अभी तक फर्स्ट डिवीजन के लिए 6.5 सीजीपीए अंक लाना अनिवार्य होता था। विवि में शनिवार को हुई कार्यपरिषद की बैठक में इसे मंजूरी दी गई। कई अन्य प्रस्तावों को भी स्वीकृति प्रदान की गई।

कुलपति प्रो. संजय सिंह की अध्यक्षता में हुई बैठक में भेषज विज्ञान संकाय एवं अभियांत्रिकी व प्रौद्योगिकी संकाय की स्थापना करने का निर्णय लिया गया। साथ ही विवि में होने वाले राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम में 50 हजार और अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम में 2 लाख रुपये का अग्रिम लोन उपलब्ध कराने का निर्णय किया गया।

विवि में स्नातक, परास्नातक कोर्स की उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन, पीएचडी शोध मूल्यांकन एवं मौखिक परीक्षा के पारिश्रमिक को नए सिरे निर्धारण के लिए प्रो. सीके दीक्षित की अध्यक्षता में समिति का गठन करने पर मुहर लगी। शिक्षकों एवं शोधार्थियों को राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर की कार्यशाला में प्रतिभाग करने के लिए अनुदान देने, प्रवेश सेल की स्थापना और प्रतियोगिता के माध्यम से विवि का लोगो डिजाइन करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई।

पुनर्वास विश्वविद्यालय में हुई कार्यपरिषद की बैठक में मौजूद कुलपति व अन्य। स्रोत विवि

बैठक में 16 से 21 दिसम्बर 2024 के बीच में (निर्धारित 25 अंकों की) मध्य सत्र परीक्षा कराने, यूजी-पीजी के नवीन अध्यादेश 2024 को स्वीकृति देने और स्नातक स्तर पर संचालित मल्टीडिसेप्लेनरी कोर्स में दिव्यांगता अध्ययन (डिसेबिलिटी स्टडीज) को शामिल करने का निर्णय भी लिया गया।

बैठक में विश्वविद्यालय के रिसर्च एवं डेवलपमेंट सेल के लिए गुणवत्तापरक शोध के लिए रिसर्च प्रोजेक्ट व कंसल्टेंसी गाइडलाइन को अनुमोदन देने संबंधी प्रस्ताव पर भी मुहर लगाई गई। बैठक में डीन एकेडमिक्स प्रो. वीके सिंह, कुलसचिव रोहित सिंह, वित्त अधिकारी श्रीनिवास त्रिपाठी, परीक्षा नियंत्रक डॉ. अमित कुमार राय के साथ ही सभी संकायों के डीन व विभागाध्यक्ष उपस्थित रहे।

डॉ शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय में कुलपति की अध्यक्षता में विद्या परिषद 34वीं बैठक

लखनऊ, लोकसत्य। डॉ शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय, लखनऊ में विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य संजय सिंह की अध्यक्षता में विद्या परिषद (एकेडमिक काउंसिल) की 34वीं बैठक हुई। बैठक में अधिष्ठाता शैक्षिणिक प्रो वीके सिह, कुलसचिव रोहित सिंह, वित्त अधिकारी श्रीनिवास त्रिपाठी, परीक्षा नियंत्रक डॉ अमित कुमार राय के साथ ही समस्त संकायों के अधिष्ठाता, समस्त विभागों के अध्यक्ष उपस्थित रहे।

इस बैठक में निम्नलिखित निर्णय लिए गए, जिसमें विश्वविद्यालय में भेषज विज्ञान संकाय (फैकेल्टी आफॅ फ़ार्मास्यूटिकल सांइसेज) एवं अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संकाय (फैकेल्टी आफॅ इंजीनियरिंग एण्ड टेकनोलॉजी) की स्थापना का निर्णय लिया गया। इसके साथ ही संस्थान (इंस्टीट्यूट) निर्माण हेतु प्रस्तावना (प्रिएम्बल) तैयार करने का निर्णय लिया गया।

■ देश के किसी भी विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय/अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी मे प्रतिभाग हेतु दो साल में एक बार -20,000रू की धनराशि प्रदान किए जाने का निर्णय लिया गया। विदेशों में आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रतिभाग हेतु चार वर्ष में एक बार 1,00000रू की धनराशि प्रदान किए जाने का निर्णय लिया गया। इसके साथ ही शोधार्थी को पूरे शोध के दौरान संगोष्ठी में प्रतिभाग किये जाने हेतु 20,000रू की धनराशि प्रदान किए जाने का निर्णय लिया गया। विश्वविद्यालय में स्नातक, परास्नातक उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन, पी-एचडी शोध मूल्यांकन एवं मौखिकी संपादन हेतु पूर्व निर्धारित पारिश्रमिक को अवक्रमिक करते हुए नये सिरे से पारिश्रमिक निर्धारिण के लिए प्रो0 सी.के. दीक्षित की अध्यक्षता में समिति बनाने का निर्णय लिया गया।

Lucknow 24-11-2024
http://epaper.loksatya.com/
लोकसत्य